सामाजिक सुरक्षा योजना के तहत रमजानी को मिला विधवा पेशन का हक

सहगल फाउंडेशन द्वारा फिरोजपुर झिरका ब्लॉक के मंडो गांव में ग्रामीण नेतृत्व स्कूल (श्री.एल.एस.) के तहत ग्रामीणों को विभिन्न कार्यक्रम के बारे में जागरूक करने के लिए हर माह प्रशिक्षण समारोह का आयोजन किया जाता है। इसके अन्तर्गत ग्रामीणों द्वारा सरकारी व समूही व्यक्तियों से संबंधित प्रशिक्षणों के माध्यम से संबंधित ग्रामीणों को जागरूक किया जाता है।

सुशासन पत्रिका
हाकम ने रमजानी की विवाह पेशें की समस्या के समाधान के संबंध में 24 अप्रैल 2017 को सी.आई.एस.सी. के टॉल प्री नंबर पर फोन किया। सी.आई.एस.सी. की सहायक बीना ने उस से नृष्ण रिश्ता कार्यालय में आने के लिए कहा और पेशें बनाने में पूरी मदद करने का मजाक दिलवाया। इस पर 25 अप्रैल 2017 को रमजानी हाकम के साथ सी.आई.एस.सी. में पहुंची और बीना से पेशें बनाने की प्रक्रिया के बारे में जानना व साथ ही साथ विवाह फेशन का फाम भी प्राप्त किया। बीना को बताया कि वे उपरोक्त सब बात के दौरान ही पता चला कि रमजानी के पास पेशें कार्यालय में पेशें के साथ जमा करने वाले चर्चित दस्तावेज नहीं हैं। इसलिए उसने हाकम व रमजानी को संबंधित दस्तावेज को प्राप्त करने की प्रक्रिया के बारे में बताया, जो उसके पास नहीं थे। रमजानी ने कुछ दिनों के अंतर समय आसफक दस्तावेज बनाने के लिए इसके बाद उसने हाकम के साथ सी.आई.एस.सी. के नृष्ण रिश्ता कार्यालय में बीना से दोबारा मुलाकात की। बीना ने रमजानी की विवाह पेशें के फाम को भरा तथा समय पेशें दस्तावेज के फाम का साथ लगाया।

इसका परिणाम यह निकला कि रमजानी को 27 मई 2017 से विवाह पेशें मिलने सुलग हो गई।

इस प्रकार, यह स्पष्ट होता है कि अधिकांश ग्रामीण विविध सरकारी योजनाओं के तहत मिलने वाले लाभों एवं उनका प्राप्त करने की प्रक्रियाओं के बारे में अनजान होते हैं और मार्गदर्शन के लिए सर्वपंथ न निर्देश रखते हैं। यदि सर्वपंथ ग्रामीण को जानकारी देने और मार्गदर्शन करने में समर्थ नहीं है तो ग्रामीण सरकारी योजनाओं और उनके तत्कालीन लाभों के बीच में एक नसीहत रह जाते हैं।

रमजानी को भी सूचना में सर्वपंथ से कोई अनुभुत प्रतिक्रिया नहीं मिली थी और इसलिए उसकी पेशें पाने की समस्या भी दृष्टिगत हो गई थी। हाकम ने रमजानी को कस्तूर रुद्र से अनिवार्य लाभ प्राप्त करने के लिए ऐतिहासिक और टॉल प्री नंबर पर समर्थ करने के माध्यम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। अब, हाकम और रमजानी अब अब गांव में सरकारी और पाकिस्तानी आपूर्ति सिद्ध विषय प्रमाणों के समाधान के लिए टॉल प्री नंबर पर फोन करते रहते हैं।

शासन व नीति जनविभाग राजस्थान नागरिक सूचना व सहायता केंद्र की मदद से ग्रामीणों को मिला राशन का हक

किसी भी व्यक्ति के संपूर्ण विकास और स्वस्थ जीवन के लिए योजना बनाना आवश्यक है। यह संकेत का एक बौद्धिक दृष्टि है जो किसी भी व्यक्ति को अपनी तरह से काम करने में समय बताता है। पुरानों ब्लॉक के दोढ़पा गांव में रहने वालों को उनके लिए एक एक्सिलेंट मजुदर है। तौरिक के परिवार के जीवन वानर उनकी श्रमिक गतिविधियों से होने वाली आप की निर्माण और सुसाइंस के लिए कम है। नागरिक सूचना व सहायता केंद्र की मदद से ग्रामीणों को मिला राशन का हक है। नतीजतन, यह राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के अनुसार ग्रामीण की एक वास्तविक वितरण प्रणा (दी.पी.सी.एस.) कार्यक्रम के तहत गांव में कम दरों पर मिलने वाले राशन पर भी निर्माण स्थापित है। लेकिन गांव में राशन वितरण के लिए तौरिक के हाकम और चाहते हुए के कारण ग्रामीणों के साथ चर्चाएँ में आयोजित स्थान में कमजोर मात्रा में कम दरों पर राशन पाने के लिए तौर में अनुभव नहीं मिला।

जब तौरिक ने खाना देना व अपने हाथों से समस्या का हल नहीं की तो उन्होंने दी.पी.सी.एस में सृंगत्रा गाइड खाना के बारे में मुलाकात की। गांव में यह नृष्ण रिश्ता कार्यालय, सी.आई.एस.सी. के टॉल प्री नंबर 18003003182 पर समर्थन करने का निर्देश दिया। सी.आई.एस.सी. के सहायक लेखिक ने उन्हें खाना और आपूर्ति वितरण कार्यालय में हैकरत दर्ज करने का सूचना दिया। गांव में आयोजित स्थान में कमजोर मात्रा में कम दरों पर राशन पाने के लिए तौर में अनुभव नहीं मिला।
शासन व नीति जनवकालत टीम, सहगल फाउंडेशन

कारणों ने सूचना के प्रचार एवं प्रसार से उत्तराय कृषि संबंधी का फायदा

भारत में अधिकांश लोगों का व्यवसाय कृषि है जिसके कारण अधिकांश ग्रामीण कृषि गतिविधियों में शामिल होते हैं। संसार ने किसानों के जितने की सुरक्षा रखने और कृषि की विशेष पहलें जो करते हैं को बदला देने के लिए सरकारी योजनाओं के अनुसार अन्धर अन्धर तहत के बीच एवं कृषि संबंधित उपकरणों पर संबंधित वालों ने विकट मूल्य में गूढ़ देने का प्रश्न किया है। इन योजनाओं का युक्त संबंधित किसानों की आवश्यकता को बदला है।

पूर्व व्यापकों के नीशारा गांव की बुढ़ाहात आदायाम कृषि पर निर्माता है। इसी गांव के निन्दित शाहरुख एक शरीफ़ है और स्थायी हाथ और स्थायी एक किसान भी है। उन पर अपने परिवार के भरण पॊशन को निर्माण के लिए किसानों की बिल्कुल वहाँ की यह भांड़ यह मौक़े में एकजात योजना करते हैं।

शाहरुख को सहगल फाउंडेशन का सहयोग देने के लिए है जिसमें शाक्तिक किसानों की उपेक्षा करने के लिए उन्होंने इसके लिए सहयोग दिया। शाहरुख को सहगल फाउंडेशन के सहयोग की बुनाई के लिए उन्होंने वहाँ वह वर्ष या हाल ही में जानकारी दी गई थी।

शासन व नीति जनवकालत टीम, सहगल फाउंडेशन

सुशासन चैंपियन : स्थानीय स्तर पर परिवर्तन के पथप्रदर्शक (शृंखला संख्या 2)

पिछले आठ सालों के दौरान सहगल फाउंडेशन ने हरियाणा के नूने पिछले में आयोजन की गयी ग्रामीण अंडर नेशनल स्कूल्स में 13000 से ज्यादा सामाजिक नायकों को प्रशिक्षण दिया है। इन नायकों को सुशासन चैंपियन के रूप में संबंधित किया जाता है जो वे स्थानीय स्तर पर परिवर्तन के लिए कर रहे हैं। सामूहिक कार्यावस्थाएं और लगातार निर्माणों के दम पर कार्यक्रमों के क्रियान्वयन में उल्लेखनीय सुसार लाने में सफल रहे हैं। ग्राम पंचायतों, स्कूल प्रबंधन संस्थानों और स्वाक्षरित निर्माण उपकरणों में सहभागिता के तुल्य संस्थाएं ज्यादा सामीवां, पारसेह और उत्तरायणक हैं। वह यह योगदान दे सकता है जिससे वेश्यारों ने देखा गया कि यह नीट गांव बदल दिया जा सकता है।

सुशासन पत्रिका अक्टूबर, 2017
बैंसी गांव के खान मोहमद अपनी ग्राम पंचायत में पार्टीदर्शिता और उत्तराधिकार के लिए नगराधी आदेश कर रहे हैं। वह सामुदायिक नायकों के अपने समुह के साथ नियमित रूप से आगामी नेता (आई.डी.एप.) और मिछ-दे-मील (एम.डी.एम.) के क्रियावास्त्रियों पर नजर रखते हैं। इसके फलस्वरूप अब इन कार्यक्रमों के तहत बच्चों को बढ़िया खाना मिलने लगा है, शौर्य में मिछ-दे-मील बच्चों के लिए गलियारों की सहयोगी में जानकार हुआ और बच्चों को समूह से राजस्थानी मिलने लगी है। उनकी ओर से सी.एम. विविध पर दर्शन करवाने गयी शिक्षकों के फलस्वरूप ही विभिन्न नियम ने गांव में नया ट्रांसफोर्मेशन शुरू किया, खबरे लगाये तथा तार बढ़ाये।

खेडा खजीलपुर गांव की सरकार ने अपने गांव में पानी की समस्या को हल करने के लिए सी.एम. विविध पर नियमित दर्शन करवाने गयी शिक्षकों के फलस्वरूप जन स्वास्थ्य विषयक कर्मियों के दर्शन के लिए गांव में आये और पानी की समस्या को ठीक किया। उनकी प्रयासों से 150 घाँटों का पानी की समस्या से छुटकारा मिला। इस कार्यवाही के पात्रता का बताया कि कई बार शिक्षक तीनवाई के प्रक्रिया जैसे बड़ुआ उपामिता सुनवाई भी नागरिकों के लिए भारी मदद का स्रोत हो सकती है।

गांगोली गांव की यशोदा ग्राम पंचायत की मदद से गांव के लोगों को इस बात का अपराध कर रहा है कि खुले में शैव का चलन और सुमधुर का स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है। उनके प्रयासों से स्वच्छ भारत गिरावट के तहत 100 शौचालय का निर्माण हुआ और उन्होंने सभी लाभाधिकारियों को 12000 रुपये की आर्थिक सहायता दी, जो क्रियावास्त्रियों की मदद की आदात भी बढ़ी।

गांव के मोहमद युसुफ ने अपने गांव में 20 ग्रामीणों की निगरानी विकास समिति बनाई है ताकि वे गांव में चल रहे सरकारी कार्यक्रमों के क्रियाकालों पर नजर रखने के साथ-साथ उन्हें सामुदायिक गणीती भी कर सके। इन कार्यक्रमों पर रोजगार नजर रखने एक बड़ा काम है और उन्हें बढ़ाता है कि गांव में चलाये जा रहे सरकारी कार्यक्रमों पर नजर रखने की जिम्मेदारी गांव के लोगों की ही होती है। इसके प्रयासों से दिशा पर नि-मानित रूप से राशन बाँटने लगा है, आगामी व शौर्य की नवीनताओं में सुधार आया है, पानी के वैवर्त का निर्माण हुआ है तथा संसार दुनिया की दिलचस्पी जो पहले नूआं से होती थी अब गांव में ही होने लगी है।

सालाहीदी गांव के साजिद अनी एक अजीब गरीब स्थिति से जुड़ा है। उनकी गांव नूआं स्कूल के समस्त हेड मिलकर आवाज उठाने को तैयार नहीं थी। सहाय फाउडेशन द्वारा बनाये जा रहे ग्रामीण देनाव शौर्य की मदद से ऐसा गांव पंचायत में चल रहे विकास कार्यक्रमों की पहलकार करते रहते हैं। उनकी ओर से सी.एम. विविध पर दर्शन करवाने गयी शिक्षक एवं सुनवाई के अधिकार कानून के तत्त्व दिये गये आवेदन के फलस्वरूप ही गांव की संरक्षण बन गई है। गांव फ़िल्मी भी होया है तथा पंचायत की जमीन में बने सरकारी कॉलेज में गांव के शासकों को रोजगार मिला गया है।

शासन व नीति जननवकाल टिम, सहाय फाउडेशन

“फोन घुमाये, सुनवाई पाये, लाम उठायें”
नागरिक सुनवाई एवं सहायता केंद्र
टोल फ़्री नंबर : 18003003182
फोन करने का समय :
सुबह 7.00 से रात 7.00 बजे तक
(संभवतः से शामिल)

हमारा पता :
प्लेट नं. 34, सेंटर 44 इंस्टीट्यूट युनिवर्सल एरिया,
गुरुग्राम, हरियाणा-122003
फोन : 0124-4744100 फैक्स : 0124-4744123
समर्पित की टिम : नवनीत नर्सल, विकास झा और सोनिका चोपड़ा